बच्चों में ज्ञानार्जन में असमर्थता

बच्चों में ज्ञानार्जन में असमर्थता के अंतर्गत वे सभी रोग आ जाते है जो बच्चे की शैक्षिक अथवा क्रियात्मक योग्यताओं के विकास (परन्तु जो दृष्टि अथवा सुनने की शक्ति के रोग के कारण न हों) पर प्रभाव डालते हैं, जिससे बच्चों की :

- पढ़ने
- लिखने
- अक्षरज्ञान एवं
- गणितीय क्षमताएं शामिल हैं।

ज्ञानार्जन की क्षमता में कमजोरी होना, मन्दबुद्धि होने का सूचक नहीं होता।

इससे पीड़ित बच्चों को मस्तिष्क की अपर्याप्त (हीन) कार्यक्षमता के कारण अपनी अपेक्षित बौद्धिक क्षमता प्राप्त करने में कठिनाई होती है।

लगभग 2–10 प्रतिशत बच्चे इस समस्या से प्रभावित हैं।

सम्भावित कारण :

अनुवांशिकता

गर्भावस्था के दौरान महिला का मादक पदार्थों (शराब) का सेवन करना।

गर्भ में बच्चे के मस्तिष्क का असंतुलित विकास होना।

जन्म के समय बच्चे का वजन असामान्य रूप से कम होना।

समय से पहले बच्चे का जन्म अथवा असामयिक प्रसव।

सिर पर चोट लगना।

सीसा विष के दुःष्प्रभाव के कारण।

पठन असमर्थता :

पढ़ने की क्षमता में कमी बच्चों में आमतौर पर पाई जाती है।

बच्चों में पढ़ने की क्षमता उसकी उम्र, शिक्षा तथा बुद्धि के अनुरूप अत्यंत कम होती है।

पढ़ने की क्षमता में कमी के कारण, विद्यालय में उसके प्रदर्शन में कमी आ जाती है।

लक्षण एवं चिन्ह :

शब्दों की पहचान में कठिनाई होना।

धीमा एवं अशुद्ध (गलत) पठन।

समझने की क्षमता में कमी– पठित विषय को ठीक से समझने में कठिनाई होना।

बच्चे को प्रकाशित शब्दों को देखकर लिखने में कोई कठिनाई नहीं होती परन्तु सुनकर लिखने में शब्दों में अक्षरों की गलतियाँ करता है।

बच्चा पाठन और लेखन से दूर भागता है। (बच्चा पढ़ना लिखना नहीं चाहता)।

गणितीय असमर्थता :

इसमें बच्चा अपनी उम्र, बौद्धिक क्षमता तथा शैक्षिक क्षमता के अनुरूप गणितीय परिकलन (हिसाब किताब) करने में समर्थ नहीं होता। बच्चे में केवल गणितीय असमर्थता प्रकट हो सकती है, परन्तु इसके साथ–साथ कोई अन्य

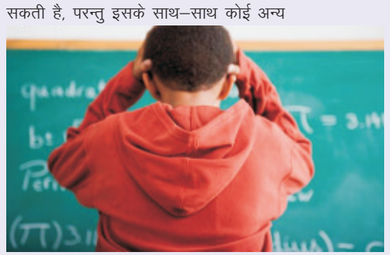

असमर्थता जैसे भाषा अथवा पढ़ने की क्षमता में कमजोरी भी हो सकती है।

लक्षण एवं चिन्ह :

अंकों की पहचान अथवा गिनती याद करने में कठिनाई होना।

प्रारंभिक गणित जैसे– जोड़ना, घटाना, गुणा तथा भाग करना आदि सीखने में कठिनाई होना।

गणितीय शब्दों को समझने में तथा लिखित प्रश्नों को गणितीय संकेतों में बदलने में कठिनाई होना।

गणित तथा विज्ञान आदि विषयों में अपर्याप्त प्रदर्शन।

लिखने में असमर्थता :

इसमें बच्चे की लिखने की क्षमता, उसकी आयु एवं बौद्धिक तथा शैक्षिक क्षमता से बहुत कम होती है।

लक्षण एवं चिन्ह :

शब्दाक्षरों में अधिक गलतियाँ करना।

व्याकरण तथा चिन्हांकन में बहुत अधिक गलतियाँ।

लिखावट अच्छी न होना।

लेख की रचना करने में असमर्थता होना।

शब्दों को क्रम में लिखने में कठिनाई होना।

अनुच्छेद को व्यवस्थित ढंग से तथा सही क्रम में न लगा पाना।

विद्यालय में शैक्षिक प्राप्ति में अत्यधिक पिछड़ना।

सीखने की क्षमता में कमी का बच्चे पर मनोवैज्ञानिक प्रभाव :

बार–बार फेल होने के कारण बच्चे में कुंठा तथा क्रोध उत्पन्न हो सकता है अथवा आत्म सम्मान में कमी आ सकती है।

पढ़ने में असमर्थ होने के कारण अथवा लिखावट सुंदर न होने के कारण बच्चा लज्जित अनुभव करता है।

बच्चे पर बेहतर प्रदर्शन के लिए बार–बार दबाव डाले जाने से बच्चे में मानसिक तनाव उत्पन्न हो सकता है।

धीरे – धीरे बच्चा अकेला तथा एकांत में रहने लगता है और निराश होने लगता है, तथा अवसाद का शिकार हो जाता है।

क्या करें, क्या न करें :

सर्वप्रथम बच्चे की आँखों तथा कानों की जांच कराएं।

यदि बच्चा ज्ञानार्जन में असमर्थता से पीड़ित हो तो उसे एक ऐसे शिक्षक की मदद की आवश्यकता हो सकती है जो उसकी आवश्यकता के अनुसार शैक्षिक योजना तैयार कर सके।

बच्चे को विशेष रूप से तैयार की गई गणितीय, पठन एवं लेखन की क्रियाओं तथा खिलौनों एवं खेलों आदि में सम्मिलित करें जिससे उसकी कुशलता में वृद्धि हो।

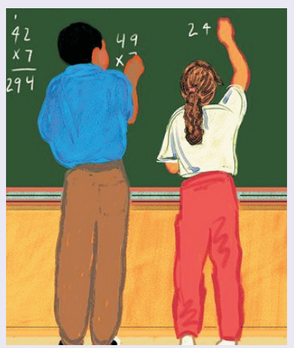

बच्चे का सही मार्ग दर्शन करें। बच्चे की अधिक से अधिक प्रशंसा करें तथा उसे पुरूस्कृत करें।

बच्चे की योग्यता, निपुणता तथा रूचियों को बढ़ावा दें।

बच्चे को अस्वीकार न करें, उसकी आलोचना न करें तथा उसका मजाक न उड़ाएं।

होम्योपैथी इस समस्या में किस प्रकार लाभदायक है :

सही शैक्षिक चिकित्सा के साथ – साथ सही होम्योपैथिक औषधि के प्रयोग से बच्चे को ज्ञानार्जन में असमर्थता में लाभ पहुँच सकता है।

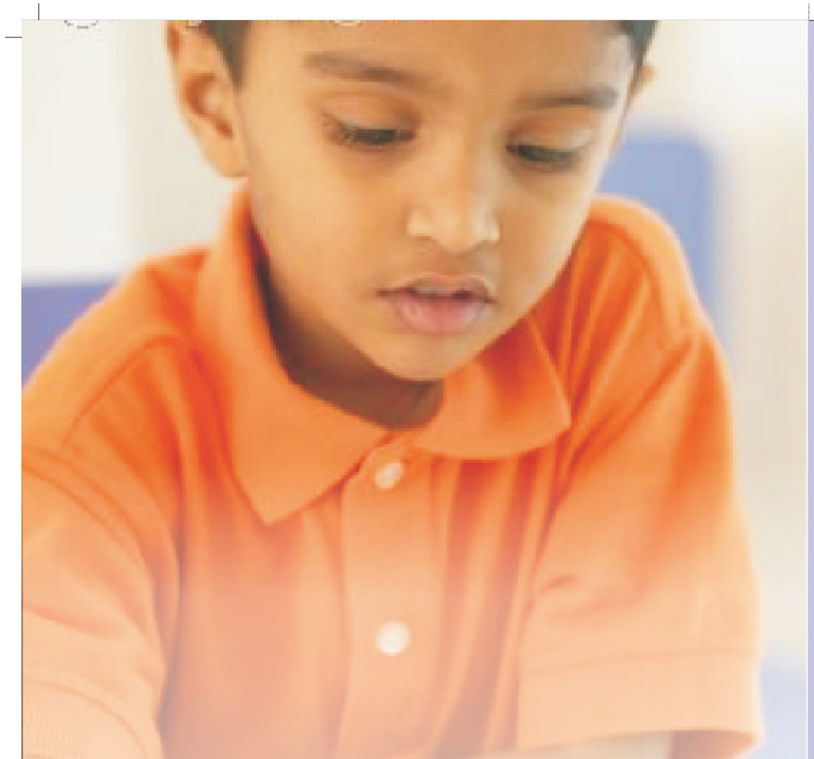

निम्नलिखित औषधियां बच्चों में "ज्ञानार्जन में असमर्थता" में प्रयोग की जाती हैं। परन्तु किसी भी औषधि के प्रयोग से पहले योग्य होम्योपैथिक चिकित्सक की सलाह अवश्य लें।

ज्ञानार्जन में असमर्थता	होम्योपैथिक औषधियां
पठन में असमर्थता	*एनाकार्डियम ओरिएन्टेल, अगैरिकस मुसकैरियस, थूजा ऑक्सिडेन्टैलिस।*
गणितीय असमर्थता	*अमोनियम कार्बोनिकम, क्रोटेलस हॉरिडस, नक्स वॉमिका, लाइकोपोडियम क्लेवेटम।*
लेखन में असमर्थता	*लैकेसिस, लाइकोपोडियम क्लेवेटम, थूजा ऑक्सिडेन्टैलिस।*

पीछे दिए गए निर्देशों का पालन करें

होम्योपैथिक उपचार में सामान्य हिदायतें :

1. बच्चों में ज्ञानार्जन में असमर्थता के लिए औषधियों का प्रयोग किसी योग्य चिकित्सक के परामर्श से करना चाहिए।
2. औषधि का सेवन मुँह साफ करके करें और बेहतर होगा कि खाली पेट लें।
3. औषधियों को तेज गन्ध वाली वस्तुओं जैसे कपूर तथा मेंथाल इत्यादि से दूर रखें।
4. औषधियों को ठंडे एवं शुष्क स्थान पर रखें और धूप एवं गर्मी से दूर रखें।
5. औषधियों को बच्चों की पहुँच से दूर रखें।

केन्द्रीय होम्योपैथिक अनुसंधान परिषद्

(भारत सरकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अधीन गठित स्वशासी निकाय)

जवाहर लाल नेहरू भारतीय चिकित्सा एवं होम्योपैथिक अनुसंधान भवन,
61–65 संस्थागत क्षेत्र, डी–ब्लॉक के सामने, जनकपुरी, नई दिल्ली–110058

फोनः 91–11–28521162, 91–11–28525523 फैक्सः 91–11–28521060

ईमेल : ccrh@del3.vsnl.net.in वेबसाइट : www.ccrhindia.org

Homoeopathy for Healthy Mother and Happy Child

Nationwide campaign and three tier workshop at national, state and district levels

होम्योपैथी द्वारा
मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य रक्षा हेतु
राष्ट्रीय अभियान

बच्चों में ज्ञानार्जन में असमर्थता का होम्योपैथिक उपचार

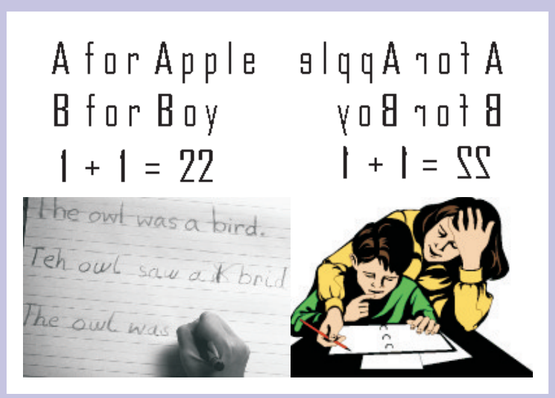

आयुर्वेद, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध एवं होम्योपैथी चिकित्सा विभाग (आयुष)
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय
भारत सरकार

केन्द्रीय होम्योपैथिक अनुसंधान परिषद्
(भारत सरकार, स्वास्थ्य एवं
परिवार कल्याण मंत्रालय
के अधीन गठित स्वशासी निकाय)